5. Ideas that have helped the mankind

Barterned Russell

Paragraph 1

Before we can discuss this subject we must form some conception as to the kind of effect that we consider a help to mankind. Are

mankind helped when they become more numerous? Or when they become less like animals? Or when they become happier? Or

when they learn to enjoy a greater diversity of experiences? Or when they come to know more? Or when they become more friendly to one another? I think all these things come into our conception of what helps mankind and I will say a preliminary word about them.

इससे पहले कि हम इस विषय पर बात कर सके हमे अवश्य ही कुछ अवधारणा बनानी पड़ेगी एक प्रभाव के रूप में. जिसे हमलोग एक प्रकार से मानवता की मदद करना समझते हैं? क्या मानवता को तब बल (मदद) मिलेगा जब वे अधिक संख्या में हो जाए? या (तब) जब उसमें पशु जैसी प्रवृत्ति कम हो जाए? या (तब) जब वो खुशहाल हो जाएगी? या (तब) जब वो महान अनुभवों का लाभ उठाना सीख जाए? या (तब) जब वो ज्यादा जाने लगे? या जब वे एक दूसरे के लिए अधिक अनुकूल हो जाए? मुझे लगता है ये सारी चीजें हमारे सोच (अवधारणा) में

आती है। जिसने मानवता की मदद की है. और मैं प्रस्तावना के रूप में इन सब पे कुछ कहूंगा

Paragraph 2

The most indubitable respect in which ideas have helped mankind is numbers. There must have been a time when homo sapiens was a very rare species subsisting precariously. in jungles and caves terrified of wild beasts having difficulty in securing nourishment. At this period the biological advantage of his greater intelligence which was cumulative because it could be handed on from generation to generation had scarcely begun to outweigh the disadvantages of his long infancy his lessened agility as compared with monkeys and his lack of

hirsute protection against cold. In those days the number of men must certainly have been very small. The main use to which throughout the ages men have put their technical skill has been to increase the total population. I do not mean that this was the intention but that it was in fact the effect. If this is something to rejoice in then we have occasion to rejoice. निसंदेह सबसे अच्छी पहल जिसने मानवता की मदद की है (इंसान की) संख्या है अवश्य ही एक समय रहा होगा जब मानव जाति एक अति दुर्लभ प्रजाति रही होगी जंगली जानवरों से डरे हुए जंगलों और गुफाओं में खतरनाक ढंग से निर्वाह कर रहे होंगे (नरिश्मन्ट). पोषक तत्व हासिल करने में कठिनाई होती रही होगी। इस अवधि (काल) में उनके प्रचंड बुद्धिमानी के जैव वैज्ञानिक लाभ जो संचयी था क्यूंकि ये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित कर (बचाया

और बढ़ाया) जा सकता था जो उसके (मानव के) लम्बे समय तक लड़कपन में रहने बंदरो जैसा पुर्तीला न होने और उन के पास ठण्ड से बचने के लिए रोएंदार बाल न होने के के कारण (बचा पाना) कठिन हो गया उन दिनों. इंसानो की तादाद अवश्य की बहुत कम रही होगी जिसका (मनुष्य की संख्या का) उपयोग उस पुरे काल में मनुष्य ने अपनी यथा कौशल जनसंख्या को बढ़ने के लिए किया मेरा ये हरगिज मतलब नहीं की उनका यही उद्देश्य था पर वास्तव में यही प्रचलन में था अगर यह कुछ आनंददायक है तो हमारे पास आनंदित होने का (यही) अवसर था।

Paragraph 3

We have also become in certain respects progressively less like animals. I can think in particular of two respects first that acquired as opposed to congenital skills play a continually increasing part in human life and secondly that forethought more and more

dominates impulse. In these respects we have certainly become progressively less like animals. कुछ मामले में हमलोग जानवरो से बाजी मार गए हैं (आगे निकल गए हैं) विशेष रूप से मैं दो मामलों में (इसे) सोच सकता हूं पहल पैदाइशी गुण के विपरीत अधिग्रहित गुण (लेखक के अनुसार वो दो क्षेत्र जिसमे मनुष्य ने जानवरों से बाजी मार ली है उसमे पहला है मनुष्य में अधिग्रहित गुण यानी वह गुण जो सीखने से आती है का होना जबकि जानवर में जन्मजात गुण अधिक पाई जाती है) कौशल (वह गुण जो सिख कर आता है) मानव जीवन में अहम भूमिका निभाती है और दूसरी चीज. की अग्र चितन (सोच समझ कर किया गया काम) मनोवेग (बिना सोचे समझे किया गया काम) पे अधिक हावी होता है। इन मामलो में हमलोग जानवरो से बाजी मार गए हैं (आगे निकल गए हैं)

Paragraph 4

As to happiness I am not so sure. Birds it is true die of hunger in large numbers during the winter if they are not birds of passage. But during the summer they do not foresee this catastrophe or remember how nearly it befell them in the previous winter. With human beings the matter is otherwise. I doubt whether the percentage of birds that will have died of hunger during the present winter 1946-47 is as great as the percentage of human beings that will have died from this cause in India and central Europe during the same period. But every human death by starvation is preceded by a long period of anxiety and surrounded by the corresponding anxiety of neighbors. - We

suffer not only the evils that actually befall us but all those that our intelligence tells us we have reason to fear. The curbing of impulses to which we are led by forethought averts physical disaster at the cost of worry and general lack of joy. I do not think that the learned men of my acquaintance even when they enjoy a secure income are as happy as the mice that eat the crumbs from their tables while the erudite gentlemen snooze. - In this respect therefore I am not convinced that there has been any progress at all. जहाँ तक ख़ुशी की बात है मैं उतना आश्वस्त नहीं हूं ये सच है कि चिड़ियां भूख के कारण ठंडी के दिनों में अधिक संख्या में मरती है. अगर वे घरेलू चिड़िया न हो तो लेकिन गर्मियों के दौरान वे इस तबाही की पूर्व आभास (भविष्यवाणी) नहीं कर पाती हैं. या याद रख पाती

है की कितनी करीब से ये (भूख) झेला था पिछली सर्दी में. मनुष्य के साथ (ये) मामला अन्यथा (कुछ अलग) है। मुझे शक है कि वर्तमान सर्दियों (1946-47) के दौरान भूख से मरने वाले पक्षियों का प्रतिशत उतना ही बड़ा है जितना कि इसी अवधि के दौरान भारत और मध्य यूरोप में इस कारण से (भूख से) मरने वाले मनुष्य के प्रतिशत के. पर हर वो इंसान जो भुखमरी से मरता है पहले लम्बे समय तक बेताबी (बेचैनी) से गुजरता है और उतना ही बेचैनी (बेताबी) आस-पास के पडोसी को देता है। हमलोग सिर्फ उस विपदा से ही नहीं डरते जो हमलोगो पे घटित होती है बल्कि उस सभी (विपदा) से जिसे हमारा बुद्धि बताता है की डरा जाए. आवेग का नियंत्रण जो अग्रिम की चितन करने से आई है चिता के फल के रूप में शारीरिक आपदाओं और गम की ओर मोर देती है। मैं नहीं सोचता की मेरे जान पहचान वाले विद्वान (पढ़े-लिखे) लोग उतना खुश रहते हैं जितना एक चूहे का बच्चा जो उस पढ़े लिखे लोग के टेबल पे गिरे (भोजन के) चूरन (भोजन के छोटे छोटे टुकड़े) को खा कर जब वो विद्वान सज्जन झपकी

ले रहे होते हैं हलाकि उनकी आमदनी भी सुरक्षित है. इसीलिए इस मामले में मैं सहमत नहीं हूँ के इसमें कोई सुधर आया है (इंसान के खुसी में इजाफा हुआ है)

Paragraph 5

As to diversity of enjoyments however the matter is otherwise. I remember reading an account of some lions who were taken to a movie showing the successful depredations of lions in a wild state but none of them got any pleasure from the spectacle. Not only music and poetry and science but football and baseball and alcohol afford no pleasure to animals. Our intelligence has therefore certainly enabled us to get a much greater variety of enjoyment than is open to animals but we have purchased this advantage at the

expense of a much greater liability to boredom. हालाकि जहाँ तक आनंद उठाने की विविधता का सवाल है मामला कुछ अलग है मुझे याद है (मैं) पढ़ रहा था कुछ शेरों के बारे में जो मूवी दिखाने ले जाया गया जिस में शेर द्वारा सफलतापूर्वक जंगल में किये गए शिकार को दिखाया गया था. लेकिन उसमें से किसी को भी तमाशा से कोई खुशी नहीं मिली. न केवल संगीत और कविता और विज्ञान बल्कि फुटबॉल और बेसबॉल और शराब जानवरों को कुछ भी आनंद नहीं देता हैं। इसीलिए हमारी बुद्धि निश्चित तौर पर आनंद उठाने के बहुत सारे मार्ग खोल देती है जानवरों के मुकाबले. लेकिन हमने इस लाभ को ऊब जाने के बहुत बड़ी जिम्मेदारी के बदले में खरीदा है (हम जल्दी आनंदित भी हो जाते है और ऊब भी जाते हैं)

Paragraph 6

But I shall be told that it is neither numbers nor multiplicity of pleasures that makes the glory of man. It is his intellectual and moral

qualities. It is obvious that we know more than animals do and it is common to consider this one of our advantages. Whether it is in fact an advantage may be doubted. But at any rate it is something that distinguishes us from the brutes. मुझे बताया गया है कि न तो (मनुष्य की) संख्या का अधिक होना और न ही सुखों का अम्बार होना मनुष्य को महिमावान बनाती हैं। ये हैं उनकी (मनुष्ये की) बौद्धिक तथा नैतिक गुण (जो उसे महान बनाती है) ये साफ (स्पष्ट) है कि हम मानव जानवर से ज्यादा जानते हैं. ये समझना आम हो गया है की ये (मानव का अधिक जानना) जानवरों पे बढ़तों में से एक हैं. क्या ये जवानों पर (मानव का) बढ़त है भी? शायद इस पे संदेह क्या जा सकता है (मुझे इस पे संदेह हैं). पर किसी हद तक यही वो चीज है जिसने हमलोगों को (मानव को) पशुओं से अलग करता है

Paragraph 7

Has civilization taught us to be more friendly towards one another? The answer is easy. Robins the English not the American species peck an elderly robin to death whereas men the English not the American species give an elderly man an old age pension. Within the herd we are more friendly to each other than are many species of animals - but in our attitude towards those outside the herd in spite of all that has been done by moralists and religious teachers our emotions are as ferocious as those of any animal and our intelligence enables us to give them a scope which is denied to even the most savage beast. It may be hoped though not very confidently that the more humane attitude

will in time come to prevail but so far the omens are not very propitious. क्या हमारी तहजीब (सभ्यता) ने हमें एक-दूसरे के प्रति अधिक स्नेहशील होना सिखाया है?. जवाब आसान है। रॉबिन्स (अमेरिकन नहीं अंग्रेजी प्रजातियाँ) वयोवृद्ध रॉबिन चिड़िया को चोंच मार मार कर मार देती है जबकि पुरुषों (अमेरिकन नहीं अंग्रेजी प्रजातियाँ). वयोवृद्ध व्यक्ति को वृद्धा पेंशन देता है। अपने समूह (जात-बिरादरी) के प्रति हमलोग अधिक सहनशील है कई जानवरों की प्रजाति के मुकाबले (अपनों के प्रति हमलोग जानवर से अधिक सहनशील है) लेकिन नैतिकवादियों तथा धर्मगुरुओं के इतना कुछ करने के बावजूद भी गैर बिरादरी के प्रति हमारा मनोदृष्टि हमारी भावना जानवरों जितनी ही कुरुर है। और हमारी बुद्धि ने हमे इसे (हमारी उद्दंडता को) सक्षम बनाने की गुंजाइश दी है जो एक जंगली जानवर द्वारा भी अस्वीकृत है (हमारी बुद्धि ने हमारी उद्दंडता को इतना बढ़ा दिया है की कोई जंगली जानवर भी इतना उद्दंड नहीं होता) आशा की जा सकती है भले ही आत्मविश्वास

से नहीं की आने वाले समय में और अधिक मानवतावादी दृष्टिकोण प्रचलित होगा. लेकिन अभी तक इस के संकेत कुछ ख़ास (अनुकूल) नहीं है।

Paragraph 8

All these different elements must be borne in mind in considering what ideas have done most to help mankind. The ideas with which we shall be concerned may be broadly divided into two kinds those that contribute

to knowledge and technique and those that are concerned with morals and politics. I will treat first those that have to do with knowledge and technique. क्या-क्या विचार है जो मानव जाति के लिए अधिक काम आया पर विचार करने के लिए इन सभी अलग-अलग तत्वों को ध्यान में रखना चाहिए वह विचारों जिन से हम चितनशील होंगे शायद वे मुख्य रूप से दो भागो में विभाजित किया जा सकते हैं वो (विचार) जो ज्ञान और तकनीक में योगदान देता हैं. और वो जो कि नैतिकता और राजनीति से संबंधित हैं. पहले बात करेंगे उस (विचार की) जिसका ज्ञान और तकनीक से लेना देना है

Paragraph 9

The most important and difficult steps were taken before the dawn of history. At what stage language began is not known but we may be pretty certain that it began very

gradually. Without it, it would have been very difficult to hand on from generation to generation the inventions and discoveries that were gradually made. सबसे महत्वपूर्ण तथा कठिन कदम जो इतिहास के उदय से पहले लिया गया (सभ्यता के विकाश के) किस चरण में भाषा का उदय हुआ यह ज्ञात नहीं है लेकिन हम यह निश्चित कर सकते हैं कि यह बहुत धीरे-धीरे शुरू हुआ। इसके बिना वो अविष्कार और खोज जो धीरे धीरे किये गए पीढ़ी दर पीढ़ी को हस्तारान्तरित करना बहुत कठिन होता होगा

Paragraph 10

Another great step which may have come either before or after the beginning of language was the utilization of fire. I suppose that at first fire was chiefly used to keep away wild beasts while our ancestors slept but the

warmth must have been found agreeable. Presumably on some occasion a child got scolded for throwing the meat into the fire but when it was taken out it was found to be much better and so the long history of cookery began. एक दूसरा महान चरण. जो शायद भाषा की शुरुआत से पहले या बाद में आया होगा वो था आग का उपयोग मुझे लगता है कि शुरआत में आग का प्रयोग मुख्य रूप से जंगली जानवरों को दूर रखने के लिए किया जाता होगा जब हमारे पूर्वज सोते होंगे. पर वे आगे के गर्मी से भी सहमत रहे होंगे संभवतः कभी कभार बच्चे को आग में गोस्त फेकने पर डांटा भी गया होगा पर जब इसे आग से निकला गया होगा ये (स्वाद में) बहुत अच्छा लगा होगा. और इस तरह खाना बनाने का लंबा इतिहास शुरू हुआ।

Paragraph 11

The taming of domestic animals especially the cow and the sheep must have made life much pleasanter and more secure. Some anthropologists have an attractive theory that the utility of domestic animals was not foreseen but that people attempted to tame whatever animal their religion taught them to worship. The tribes that worshiped lions and crocodiles died out while those to whom the cow or the sheep was a sacred animal prospered. I like this theory and in the entire absence of evidence for or against it, I feel at liberty to play with it. घरेलू जानवरों का पालतू बनाना विशेष रूप से गाय और भेड़ अवश्य ही (मानव के) जीवन को बहुत सुखदायक और अधिक सुरक्षित बना दिया होगा। कुछ मानवविज्ञानिक के पास एक मनभावन सिद्धांत है की घरेलु

जानवरो का प्रयोग पूर्व निर्धारित नहीं था. परन्तु लोगों ने उन जानवरों को पालने का प्रयास किया होगा जो भी जानवरों को उसके धर्म ने पूजा करने को बताया था। वो जनजातियां जिसने ने शेरों और मगरमच्छों की पूजा की थी मर गए जबकि वो (जनजातियां) जिनके लिए गाय या भेड़ एक पवित्र पशु था संपन्न हो गए। मुझे यह सिद्धांत अच्छा लगता है और वो भी पूरी तरह से बिना पक्ष और विपक्ष के सबूतों के (न इस के पक्ष में कोई सबूत है न इस के विपक्ष में कोई सबूत है). मैं इसे रखने पे स्वतंत्र महसूस करता हूँ (क्योंकि न इस के पक्ष में कोई सबूत है न इस के विपक्ष में कोई सबूत है)

Paragraph 12

Even more important than the domestication of animals was the invention of agriculture which however introduced bloodthirsty practices into religion that lasted for many centuries. Fertility rites tended to involve

human sacrifice and cannibalism. Moloch would not help the corn to grow unless he was allowed to feast on the blood of children. A similar opinion was adopted by the Evangelicals of Manchester in the early days of industrialism when they kept six-year-old children working twelve to fourteen hours a day in conditions that caused most of them to die. It has now been discovered that grain will grow and cotton goods can be manufactured without being watered by the blood of infants. In the case of the grain the discovery took thousands of years in the case of the cotton goods hardly a century. So perhaps there is some evidence of progress in the world. जानवरों को पालतू बनाने से भी अधिक महत्वपूर्ण

कृषि का आविष्कार था. जो यद्यपि खूनी प्रथाओं को धर्म में लेकर आया (और) जो कई सदियों तक चलता रहा. अच्छे फसल के लिए किये जाने वाले पूजा पाठ रीती रिवाज ने मानव के बलि तथा नरभक्षण का रूप ले लिया (अच्छे फसल के लिए नवजात शिशु का बलिदान दिया जाने लगा). मोलोक (एक भगवन जो बच्चे का बलि लेता था) फसल को तब तक उपजने में मदद नहीं करेगा जब तक कि उसे बच्चों के खून का प्रसाद न चढ़ाया जाए। उद्योगवाद के शुरुआती दिनों में मैनचेस्टर के इवाजेनलिकल्स (ईसाई धर्म का एक पंथ) द्वारा इसी तरह की ख़याल को अपनाया गया था जब वे छह वर्षीय बच्चों को दिन में बारह से चौदह घंटे काम कराते थे. इन हालात के कारण उन में से अधिकतर को मरना पड़ता. अब यह पता चल गया है कि अनाज बढ़ेगा और कपास के सामान का निर्माण किया जा सकता है शिशुओं के खून की दरया बहाए बिना। खेतीबारी का आविष्कार करने में हजारो साल लग गया (पर) सूत के सामान बनाने की खोज में मुश्किल

से एक सदी लगी. तो शायद दुनिया में प्रगति के कुछ प्रमाण हैं (शायद दुनिया के लोगों की सोच बदल रही है)

Paragraph 13

The last of the great pre-historic inventions was the art of writing which was indeed a pre-requisite of history, writing like speech developed gradually and in the form of pictures designed to convey a message it was probably as old as speech but from pictures to syllable writing and thence to the alphabet was a very slow evolution. In China the last step was never taken. पूर्व ऐतिहासिक आविष्कारों में से अंतिम महान आविष्कारों लेखन की कला थी -. जो वास्तव में इतिहास का आधार था। लेखन जैसे भाषा धीरे धीरे वजूद (अस्तित्व) में आया और चित्र द्वारा (अपनी बात) को संचार करने की कला उतनी ही पुरानी है जितनी भाषा. लेकिन चित्र

लेखन से चिन्ह लेखन और (फिर) वहां से वर्ण लेखन जिसकी की विकास बड़ी धीमी थी। चीन में अंतिम चरण (वर्ण लेखन) को कभी नहीं अपनाया गया (आज भी चीनी भाषा में वर्णमाला का नहीं बल्कि चिन्ह का प्रयोग होता है - चीनी भाषा में लगभग 30,000 चिन्ह का प्रयोग होता है)